साझेदारी फर्म का विघटन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» साझेदारी का विघटन और साझेदारी फर्म का विघटन: अर्थ और अंतर

प्रश्न 1 (आसान). अगर किसी फर्म के सभी साझेदार मिलकर व्यापार बंद करने का फैसला करें, तो यह क्या होगा?
उत्तर – साझेदारी फर्म का विघटन।

प्रश्न 2 (आसान). यदि अ और ब एक फर्म में साझेदार हैं और वे अपना लाभ-हानि अनुपात 1:1 से बदलकर 2:1 कर लेते हैं, तो इसे क्या कहेंगे?
उत्तर – साझेदारी का विघटन।

प्रश्न 3 (मध्यम). अ, ब, स एक फर्म में साझेदार थे। स की मृत्यु हो जाती है। क्या फर्म बंद हो जाएगी या केवल साझेदारी का विघटन होगा?
उत्तर – केवल साझेदारी का विघटन होगा, क्योंकि बाकी साझेदार चाहें तो फर्म को जारी रख सकते हैं, बस स की मृत्यु से उनके बीच का पुराना समझौता बदल जाएगा।

प्रश्न 4 (कठिन). यदि न्यायालय के आदेश पर किसी फर्म को बंद कर दिया जाता है, तो यह साझेदारी का विघटन है या साझेदारी फर्म का विघटन? कारण भी बताओ।
उत्तर – यह 'साझेदारी फर्म का विघटन' है। कारण यह है कि न्यायालय के आदेश से पूरा व्यापार ही खत्म हो जाता है, सारी संपत्तियां बेचकर देनदारियां चुकाई जाती हैं। इस स्थिति में, फर्म के साथ-साथ साझेदारी का विघटन भी अपने आप हो जाता है।

» साझेदारी फर्म के विघटन की विधियाँ

प्रश्न 5 (आसान). अगर सभी साझेदार मिलकर तय करें कि फर्म को बंद करना है, तो यह कौन सी विधि होगी?
उत्तर – समझौते द्वारा विघटन

प्रश्न 6 (आसान). फर्म का व्यवसाय गैर-कानूनी हो जाने पर कौन सा विघटन होता है?
उत्तर – अनिवार्य विघटन

प्रश्न 7 (मध्यम). एक साझेदार ने दिवालिया होने की घोषणा कर दी। यह किस प्रकार के विघटन का कारण बनेगा?
उत्तर – अनिवार्य विघटन

प्रश्न 8 (कठिन). एक फर्म में साझेदार जानबूझकर बार-बार साझेदारी के नियमों का उल्लंघन कर रहा है। ऐसी स्थिति में, क्या फर्म को विघटित किया जा सकता है और किस विधि से?
उत्तर – हाँ, फर्म को विघटित किया जा सकता है और यह 'न्यायालय के आदेश द्वारा' विघटन होगा।

» खातों का निपटारा: हानियाँ और परिसंपत्तियाँ

प्रश्न 9 (आसान). फर्म के विघटन पर हानियों का वहन सबसे पहले कहाँ से किया जाता है?
उत्तर – लाभ में से

प्रश्न 10 (आसान). फर्म की परिसंपत्तियों का उपयोग सबसे पहले किस दायित्व के भुगतान के लिए किया जाता है?
उत्तर – फर्म के बाहरी ऋण का भुगतान

प्रश्न 11 (मध्यम). क्या साझेदारों की पूँजी का भुगतान बाहरी ऋणों से पहले किया जा सकता है? क्यों?
उत्तर – नहीं, साझेदारों की पूँजी का भुगतान बाहरी ऋणों के बाद होता है, क्योंकि बाहरी पक्षों का दावा फर्म पर साझेदारों से पहले होता है। यह धारा 48 में निर्धारित क्रम का पालन करता है।

प्रश्न 12 (कठिन). अगर फर्म के विघटन पर साझेदार को फर्म को दिए गए ऋण का भुगतान करने के बाद भी कुछ परिसंपत्तियाँ बचती हैं, तो उनका उपयोग किस क्रम में होगा?
उत्तर – साझेदार के ऋण के भुगतान के बाद बची परिसंपत्तियों का उपयोग साझेदारों की पूँजी का भुगतान करने के लिए होगा। यदि उसके बाद भी कुछ बचता है, तो उसे साझेदारों के लाभ-विभाजन अनुपात में बाँट दिया जाएगा।

» व्यक्तिगत ऋण और फर्म के ऋणों का निपटारा

प्रश्न 13 (आसान). फर्म की संपत्ति का उपयोग सबसे पहले किस ऋण के भुगतान के लिए किया जाएगा?
उत्तर – फर्म के ऋणों के भुगतान के लिए।

प्रश्न 14 (आसान). साझेदार की निजी संपत्ति का उपयोग सबसे पहले किस ऋण के भुगतान के लिए किया जाएगा?
उत्तर – साझेदार के निजी ऋणों के भुगतान के लिए।

प्रश्न 15 (मध्यम). अगर फर्म की संपत्ति से फर्म के ऋण चुकाने के बाद कुछ राशि बचती है, तो उसका क्या होगा?
उत्तर – बची हुई राशि साझेदारों में उनके दावों के अनुसार विभाजित होगी, जिसका उपयोग वे अपने निजी दायित्वों के भुगतान के लिए कर सकते हैं।

प्रश्न 16 (कठिन). साझेदार की निजी संपत्तियों में किसकी संपत्ति शामिल नहीं की जाएगी?
उत्तर – साझेदार की पत्नी और बच्चों की निजी संपत्तियों को शामिल नहीं किया जाएगा।

» वसूली खाता (Realisation Account) का परिचय और प्रारूप

प्रश्न 17 (आसान). फर्म के विघटन पर निम्न में से कौन सी मद वसूली खाते में हस्तांतरित नहीं की जाएगी: (अ) स्टॉक (ब) बैंक बैलेंस (स) फर्नीचर (द) विविध देनदार
उत्तर – (ब) बैंक बैलेंस

प्रश्न 18 (आसान). वसूली खाते का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – फर्म के विघटन पर संपत्तियों की बिक्री और दायित्वों के भुगतान से होने वाले लाभ या हानि की गणना करना।

प्रश्न 19 (मध्यम). एक फर्म के विघटन पर, एक साझेदार ने फर्म की ₹5,000 की मशीनरी ले ली। वसूली खाते में इसे कहाँ दर्शाया जाएगा?
उत्तर – वसूली खाते के क्रेडिट पक्ष में 'साझेदार के पूंजी खाते को' के रूप में दर्शाया जाएगा।

प्रश्न 20 (कठिन). यदि लेनदारों को वसूली खाते में हस्तांतरित कर दिया गया है और उनके भुगतान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है, तो क्या माना जाएगा और वसूली खाते में क्या प्रविष्टि होगी?
उत्तर – यदि भुगतान की सूचना नहीं है, तो यह माना जाता है कि लेनदारों को पूर्ण भुगतान कर दिया गया है। वसूली खाते के डेबिट पक्ष में 'बैंक खाते से' (लेनदारों का भुगतान) के रूप में पूरी राशि दर्ज की जाएगी।

» वसूली खाते में रोज़नामचा प्रविष्टियाँ (Journal Entries)

प्रश्न 21 (आसान). फर्म के पास मशीनरी ₹1,00,000 थी जिसे वसूली खाते में हस्तांतरित किया गया। जर्नल एंट्री बताएं।
उत्तर – वसूली खाता Dr. ₹1,00,000, मशीनरी खाते से Cr. ₹1,00,000

प्रश्न 22 (आसान). बैंक लोन ₹50,000 वसूली खाते में हस्तांतरित किया गया। जर्नल एंट्री क्या होगी?
उत्तर – बैंक लोन खाता Dr. ₹50,000, वसूली खाते से Cr. ₹50,000

प्रश्न 23 (मध्यम). एक साझेदार, रोहित ने ₹30,000 की स्टॉक ले ली। जर्नल एंट्री क्या होगी?
उत्तर – रोहित का पूँजी खाता Dr. ₹30,000, वसूली खाते से Cr. ₹30,000

प्रश्न 24 (कठिन). फर्म के पास ₹15,000 के लेनदार थे। उन्होंने ₹12,000 के उपकरण स्वीकार किए और शेष ₹3,000 का नकद भुगतान किया गया। जर्नल एंट्री क्या होगी? (संपत्ति स्वीकार करने पर कोई एंट्री नहीं)
उत्तर – वसूली खाता Dr. ₹3,000, बैंक खाते से Cr. ₹3,000 (केवल नकद भुगतान की एंट्री होगी)

» साझेदारों के पूँजी खाते और बैंक/रोकड़ खाते का निपटारा

प्रश्न 25 (आसान). यदि पूँजी खाते का क्रेडिट शेष ₹5,000 है, तो साझेदार को भुगतान की जर्नल प्रविष्टि क्या होगी?
उत्तर – साझेदार का पूँजी खाता Dr. ₹5,000, बैंक खाते से Cr. ₹5,000

प्रश्न 26 (आसान). फर्म के विघटन पर सभी खाते बंद होने के बाद बैंक खाते का अंतिम शेष क्या होना चाहिए?
उत्तर – शून्य

प्रश्न 27 (मध्यम). अमन, बमन और चमन साझेदार हैं। विघटन के बाद, अमन का पूँजी खाता ₹10,000 क्रेडिट, बमन का पूँजी खाता ₹5,000 क्रेडिट और चमन का पूँजी खाता ₹2,000 डेबिट शेष दिखाता है। बैंक में ₹13,000 उपलब्ध हैं। अंतिम भुगतान/प्राप्ति की जर्नल प्रविष्टि करें।
उत्तर – बैंक खाता Dr. ₹2,000, चमन के पूँजी खाते से Cr. ₹2,000 (चमन फर्म को भुगतान करेगा)। अमन का पूँजी खाता Dr. ₹10,000, बमन का पूँजी खाता Dr. ₹5,000, बैंक खाते से Cr. ₹15,000 (फर्म अमन और बमन को भुगतान करेगी)।

प्रश्न 28 (कठिन). विजय और अजय साझेदार हैं, लाभ-हानि बराबर बांटते हैं। विघटन पर, विजय का पूँजी खाता ₹15,000 क्रेडिट और अजय का चालू खाता ₹5,000 क्रेडिट शेष दिखाता है। अजय का पूँजी खाता ₹10,000 डेबिट शेष दिखाता है। फर्म के पास बैंक में ₹10,000 हैं। चालू खाते को पूँजी खाते में स्थानांतरित करने और अंतिम भुगतान की जर्नल प्रविष्टियां दें।
उत्तर – अजय का चालू खाता Dr. ₹5,000, अजय का पूँजी खाते से Cr. ₹5,000। (चालू खाता पूँजी खाते में स्थानांतरित)। अब, विजय का पूँजी खाता ₹15,000 क्रेडिट और अजय का पूँजी खाता ₹5,000 डेबिट (₹10,000 डेबिट - ₹5,000 क्रेडिट = ₹5,000 डेबिट)। जर्नल प्रविष्टि: विजय का पूँजी खाता Dr. ₹15,000, बैंक खाते से Cr. ₹10,000, अजय का पूँजी खाते से Cr. ₹5,000 (अजय फर्म को ₹5,000 भुगतान करेगा, विजय को ₹15,000 मिलेंगे, बैंक में ₹10,000 थे, ₹5,000 अजय से आए, कुल ₹15,000 विजय को दिए गए)।

» अतिरिक्त व्यवहारों की लेखा प्रविष्टियाँ (गैर-अभिलिखित, संचित लाभ, ऋण)

प्रश्न 29 (आसान). फर्म के विघटन पर, ₹10,000 का सामान्य संचय (General Reserve) था। इसकी रोज़नामचा प्रविष्टि क्या होगी, यदि साझेदार अ और ब का लाभ विभाजन अनुपात 1:1 है?
उत्तर – सामान्य संचय खाता Dr. ₹10,000
अ के पूँजी खाते से Cr. ₹5,000
ब के पूँजी खाते से Cr. ₹5,000
(सामान्य संचय को साझेदारों में वितरित करने पर)

प्रश्न 30 (आसान). ₹5,000 का एक गैर-अभिलिखित दायित्व (unrecorded liability) जिसका भुगतान किया गया। इसकी रोज़नामचा प्रविष्टि क्या होगी?
उत्तर – वसूली खाता Dr. ₹5,000
बैंक खाते से Cr. ₹5,000
(गैर-अभिलिखित दायित्व का भुगतान करने पर)

प्रश्न 31 (मध्यम). साझेदार 'स' ने फर्म को ₹20,000 का ऋण दिया था, जिसका भुगतान विघटन पर किया गया। इसकी रोज़नामचा प्रविष्टि दें।

उत्तर – स का ऋण खाता Dr. ₹20,000
बैंक खाते से Cr. ₹20,000
(साझेदार के ऋण का भुगतान करने पर)

» संपूर्ण विघटन प्रक्रिया का अभ्यास (उदाहरणों के साथ)

प्रश्न 32 (आसान). फर्म के विघटन पर वसूली खाते में कौन सी संपत्तियां हस्तांतरित नहीं की जाती हैं?

उत्तर – रोकड़ और बैंक शेष।

प्रश्न 33 (आसान). संचय निधि का वितरण साझेदारों के किस खाते में किया जाता है?

उत्तर – साझेदारों के पूंजी खाते में।

प्रश्न 34 (मध्यम). एक फर्म के पास 50,000 रुपये के देनदार थे। यदि देनदारों से 10% छूट पर 45,000 रुपये वसूल हुए, तो वसूली खाते में कितनी राशि क्रेडिट की जाएगी?

उत्तर – 45,000 रुपये (क्योंकि वसूली गई राशि ही क्रेडिट होती है)।

प्रश्न 35 (कठिन). अंजना, भावना और चेतना 3:2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। विघटन पर उनके पास 10,000 रुपये का सामान्य संचय (General Reserve) था और वसूली खाते में 6,000 रुपये का लाभ हुआ। प्रत्येक साझेदार के पूंजी खाते में कुल कितनी राशि क्रेडिट की जाएगी (केवल इन दो मदों के लिए)?

उत्तर – अंजना: (10,000 * 3/6) + (6,000 * 3/6) = 5,000 + 3,000 = 8,000 रु.
भावना: (10,000 * 2/6) + (6,000 * 2/6) = 3,333.33 + 2,000 = 5,333.33 रु.
चेतना: (10,000 * 1/6) + (6,000 * 1/6) = 1,666.67 + 1,000 = 2,666.67 रु.

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. अ, ब और स एक फर्म में 3:2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। ब रिटायर हो जाता है और द नया साझेदार बनता है। बताओ, यह साझेदारी का विघटन है या साझेदारी फर्म का विघटन?

› सबसे पहले, हमें यह देखना है कि क्या व्यापार पूरी तरह से बंद हो रहा है या सिर्फ साझेदारों के बीच के रिश्ते/नियम बदल रहे हैं।

› इस केस में, ब रिटायर हो रहा है और द नया साझेदार बन रहा है। इसका मतलब है कि पुराने साझेदारों (अ, ब, स) के बीच का समझौता बदल गया। अब नए साझेदार (अ, स, द) के साथ नया समझौता होगा।

› लेकिन व्यापार अभी भी चालू है। मशीनें, दुकान, ग्राहक सब वैसे ही हैं। सिर्फ साझेदारी के नियम बदले हैं।

उत्तर – यह 'साझेदारी का विघटन' है, न कि 'साझेदारी फर्म का विघटन', क्योंकि व्यापार चालू रहेगा।

उदाहरण 2. मान लीजिए एक पार्टनरशिप फर्म है जिसमें तीन साझेदार हैं: अमन, बमन और चमन। वे एक निश्चित अवधि के लिए पार्टनरशिप में थे, जो अब पूरी हो चुकी है। इस स्थिति में फर्म का विघटन किस विधि से होगा?

› पहला कदम: हमें समझना है कि फर्म किस प्रकार के समझौते के तहत बनी थी। यहाँ बताया गया है कि यह 'निश्चित अवधि' के लिए बनी थी।

› दूसरा कदम: जब कोई फर्म एक निश्चित अवधि के लिए बनती है और वह अवधि पूरी हो जाती है, तो यह 'अनिश्चितता की स्थिति में' विघटन माना जाता है।

› तीसरा कदम: इस विधि के तहत, अवधि समाप्त होने पर फर्म स्वतः ही विघटित हो जाती है।

› निष्कर्ष: अतः, अमन, बमन और चमन की फर्म का विघटन 'अनिश्चितता की स्थिति में' विधि से होगा।

उत्तर – फर्म का विघटन 'अनिश्चितता की स्थिति में' विधि द्वारा होगा, क्योंकि उसकी निश्चित अवधि पूरी हो गई है।

उदाहरण 3. X, Y और Z एक फर्म में साझेदार हैं और उनका लाभ-विभाजन अनुपात 3:2:1 है। फर्म का विघटन हो जाता है। फर्म को 60,000 रुपये की हानि होती है। X, Y, Z की पूँजी क्रमशः 20,000, 15,000, 5,000 रुपये है। बताओ ये हानि कैसे बांटी जाएगी?

› पहला चरण: 'लाभ में से' हानि का भुगतान। यहाँ कोई लाभ नहीं है, तो अगले चरण पर जाएंगे।

› दूसरा चरण: 'साझेदारों की पूँजी में से' हानि का भुगतान।

› X की पूँजी 20,000, Y की 15,000, Z की 5,000 = कुल 40,000 रुपये की पूँजी है।

› कुल हानि 60,000 रुपये है। पूँजी से 40,000 रुपये का भुगतान हो जाएगा।

› शेष हानि = 60,000 - 40,000 = 20,000 रुपये।

› तीसरा चरण: 'साझेदारों द्वारा व्यक्तिगत रूप से' शेष हानि का भुगतान उनके लाभ-विभाजन अनुपात (3:2:1) में।

› X का हिस्सा = 20,000 * (3/6) = 10,000 रुपये

› Y का हिस्सा = 20,000 * (2/6) = 6,666.67 रुपये

› Z का हिस्सा = 20,000 * (1/6) = 3,333.33 रुपये

उत्तर – हानि का भुगतान इस प्रकार होगा: पूँजी से 40,000 रुपये (X:20,000, Y:15,000, Z:5,000) और शेष 20,000 रुपये X व्यक्तिगत रूप से 10,000, Y व्यक्तिगत रूप से 6,666.67, और Z व्यक्तिगत रूप से 3,333.33 रुपये देंगे।

उदाहरण 4. एक फर्म का विघटन हो रहा है। फर्म की संपत्ति ₹10,00,000 है और फर्म का बाहरी ऋण ₹8,00,000 है। साझेदार 'अमन' के पास अपनी निजी संपत्ति ₹5,00,000 है और उसका अपना व्यक्तिगत ऋण ₹3,00,000 है। बताइए, इस स्थिति में ऋणों का निपटारा कैसे होगा?

› स्टेप 1: फर्म की संपत्तियों का उपयोग - फर्म की संपत्ति ₹10,00,000 है। सबसे पहले इससे फर्म का बाहरी ऋण ₹8,00,000 चुकाया जाएगा।

› स्टेप 2: फर्म की संपत्ति से बची हुई राशि - ₹10,00,000 - ₹8,00,000 = ₹2,00,000. यह बची हुई राशि साझेदार अमन को उसके निजी ऋण के लिए दी जा सकती है।

› स्टेप 3: साझेदार की निजी संपत्तियों का उपयोग - अमन की निजी संपत्ति ₹5,00,000 है। इससे सबसे पहले उसका व्यक्तिगत ऋण ₹3,00,000 चुकाया जाएगा।

› स्टेप 4: साझेदार की निजी संपत्ति से बची हुई राशि - ₹5,00,000 - ₹3,00,000 = ₹2,00,000. यह बची हुई राशि अब अमन की है।

› निष्कर्ष: फर्म के ऋण पूरी तरह चुका दिए गए। अमन का व्यक्तिगत ऋण भी पूरा चुका दिया गया। अमन के पास अपनी निजी संपत्ति से ₹2,00,000 बच गए।

उत्तर – फर्म का ऋण ₹8,00,000 फर्म की संपत्ति से चुकाया गया। अमन का व्यक्तिगत ऋण ₹3,00,000 उसकी निजी संपत्ति से चुकाया गया। फर्म की संपत्ति में से ₹2,00,000 बच गए जो अमन को मिल जाएंगे (यदि कोई अन्य दावेदार न हो)। अमन के पास उसकी निजी संपत्ति से भी ₹2,00,000 बच गए।

उदाहरण 5. मान लीजिए एक फर्म के विघटन पर निम्न संपत्तियां और दायित्व हैं: विविध देनदार ₹20,000, स्टॉक ₹15,000, विविध लेनदार ₹12,000। देनदारों से ₹19,000 वसूले गए, स्टॉक ₹14,000 में बिका, और लेनदारों को ₹11,500 का भुगतान किया गया। वसूली खाता तैयार करें।

› 1. वसूली खाते के डेबिट पक्ष में संपत्तियां हस्तांतरित करें: 'विविध देनदार खाते से' ₹20,000, 'स्टॉक खाते से' ₹15,000।

› 2. वसूली खाते के क्रेडिट पक्ष में बाहरी दायित्व हस्तांतरित करें: 'विविध लेनदार खाते को' ₹12,000।

› 3. संपत्तियों की बिक्री दर्ज करें (क्रेडिट पक्ष में): 'बैंक खाते को' (देनदारों से वसूली) ₹19,000, 'बैंक खाते को' (स्टॉक की बिक्री) ₹14,000।

› 4. दायित्वों का भुगतान दर्ज करें (डेबिट पक्ष में): 'बैंक खाते से' (लेनदारों का भुगतान) ₹11,500।

› 5. वसूली खाते का शेष (बैलेंस) निकालें। अगर क्रेडिट पक्ष का योग अधिक है, तो लाभ; अगर डेबिट पक्ष का योग अधिक है, तो हानि।

उत्तर – वसूली खाते का डेबिट पक्ष का योग = (20,000 + 15,000 + 11,500) = ₹46,500

वसूली खाते का क्रेडिट पक्ष का योग = (12,000 + 19,000 + 14,000) = ₹45,000

यहां डेबिट पक्ष क्रेडिट पक्ष से अधिक है, इसका मतलब है कि फर्म को विघटन पर हानि हुई है।
हानि = ₹46,500 - ₹45,000 = ₹1,500। यह हानि साझेदारों के पूंजी खातों में उनके लाभ-हानि अनुपात में बांट दी जाएगी।

उदाहरण 6. एक फर्म के विघटन पर, निम्नलिखित की जर्नल प्रविष्टियां दें: (अ) फर्नीचर (पुस्तक मूल्य ₹50,000) को वसूली खाते में हस्तांतरित किया गया। (ब) लेनदार (₹20,000) को वसूली खाते में हस्तांतरित किया गया। (स) फर्नीचर ₹45,000 में बेचा गया। (द) लेनदारों को ₹18,000 का भुगतान किया गया।

› (अ) फर्नीचर को वसूली खाते में हस्तांतरित करने पर:
› वसूली खाता Dr. ₹50,000
› फर्नीचर खाते से Cr. ₹50,000
› (परिसंपत्ति को वसूली खाते में हस्तांतरित किया गया)
›
› (ब) लेनदारों को वसूली खाते में हस्तांतरित करने पर:
› लेनदार खाता Dr. ₹20,000
› वसूली खाते से Cr. ₹20,000
› (दायित्व को वसूली खाते में हस्तांतरित किया गया)
›
› (स) फर्नीचर बेचने पर:
› बैंक खाता Dr. ₹45,000
› वसूली खाते से Cr. ₹45,000
› (परिसंपत्ति की बिक्री)
›
› (द) लेनदारों का भुगतान करने पर:
› वसूली खाता Dr. ₹18,000
› बैंक खाते से Cr. ₹18,000
› (दायित्व का भुगतान किया गया)

उत्तर – सभी आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां ऊपर दी गई हैं।

उदाहरण 7. सीता, रीटा और मीता साझेदार हैं, जिनका लाभ विभाजन अनुपात 2:2:1 है। उनके पूँजी खाते के शेष इस प्रकार हैं: सीता ₹5,822 (क्रेडिट), रीटा ₹3,012 (क्रेडिट), मीता ₹1,606 (क्रेडिट)। फर्म के बैंक खाते में कुल ₹10,440 उपलब्ध हैं। साझेदारों को अंतिम भुगतान की प्रविष्टि करें।

› पहला चरण: हमें यह देखना है कि साझेदारों के पूँजी खातों में अंतिम शेष (Balance) कितना है।

› दूसरा चरण: अगर पूँजी खाते का शेष क्रेडिट (जमा) है, तो फर्म साझेदार को भुगतान करेगी। अगर डेबिट (नाम) है, तो साझेदार फर्म को भुगतान करेगा।

› तीसरा चरण: यहाँ तीनों साझेदारों का शेष क्रेडिट है, मतलब फर्म को उन्हें भुगतान करना है।

› चौथा चरण: हम बैंक खाते से ये भुगतान करेंगे। कुल भुगतान: ₹5,822 (सीता) + ₹3,012 (रीटा) + ₹1,606 (मीता) = ₹10,440।

› पांचवा चरण: जर्नल प्रविष्टि होगी: सीता का पूँजी खाता डेबिट ₹5,822, रीटा का पूँजी खाता डेबिट ₹3,012, मीता का पूँजी खाता डेबिट ₹1,606, और बैंक खाते से क्रेडिट ₹10,440।

› छठा चरण: इस भुगतान के बाद, साझेदारों के पूँजी खाते और बैंक खाते दोनों शून्य हो जाएंगे।

उत्तर – जर्नल प्रविष्टि: सीता का पूँजी खाता Dr. ₹5,822, रीटा का पूँजी खाता Dr. ₹3,012, मीता का पूँजी खाता Dr. ₹1,606, बैंक खाते से Cr. ₹10,440। (भुगतान करने पर सभी खाते बंद हो जाएंगे)

उदाहरण 8. नयना और आरूशी की फर्म के विघटन पर, एक गैर-अभिलिखित विनियोग (unrecorded investment) ₹34,000 में बेचा गया। इसकी रोज़नामचा प्रविष्टि करें।

› पहला कदम, हम देखेंगे कि यह एक गैर-अभिलिखित परिसंपत्ति है। जब परिसंपत्ति बेची जाती है तो कैश/बैंक आता है, और इसे वसूली खाते के क्रेडिट में दिखाते हैं।

› तो हम लिखेंगे: बैंक खाता डेबिट।

› और क्रेडिट होगा: वसूली खाते से।

› राशि होगी ₹34,000।

उत्तर – रोज़नामचा प्रविष्टि होगी:

बैंक खाता Dr. ₹34,000

वसूली खाते से Cr. ₹34,000

(गैर-अभिलिखित विनियोग बेचने पर)

उदाहरण 9. सुप्रिया और मोनिका साझेदार हैं, लाभ-हानि अनुपात 3:2 है। 31 मार्च 2020 को उनका तुलन पत्र (Balance Sheet) इस प्रकार है:

पूंजी: सुप्रिया 32,500, मोनिका 11,500

विविध लेनदार 48,000

संचय निधि 13,500

रोकड़ और बैंक 40,500

स्टॉक 7,500

विविध देनदार 21,500 (प्रावधान 500 घटाकर)

स्थायी परिसंपत्तियां 36,500

कुल दोनों तरफ 1,05,500

उसी दिन फर्म का विघटन हुआ। अतिरिक्त जानकारी:

1. देनदारों से 5% छूट पर वसूली हुई।

2. स्टॉक से 7,000 रु. वसूल हुए।

3. स्थायी परिसंपत्तियों से 42,000 रु. प्राप्त हुए।

4. वसूली व्यय 1,500 रु.।

5. लेनदारों को पूर्ण भुगतान किया गया।

आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां, वसूली खाता, साझेदारों के पूंजी खाते और बैंक खाता तैयार करें।

› पहला कदम: सभी संपत्तियों (रोकड़ और बैंक को छोड़कर) को उनके पुस्तक मूल्य पर वसूली खाते के डेबिट में हस्तांतरित करें। देनदारों को सकल मूल्य पर (21,500 + 500 = 22,000) हस्तांतरित करें।

जर्नल: वसूली खाता Dr. (स्टॉक 7,500, देनदार 22,000, स्थायी परिसंपत्तियां 36,500) 66,000 रु.

स्टॉक खाते से 7,500 रु.

देनदार खाते से 22,000 रु.

स्थायी परिसंपत्तियां खाते से 36,500 रु.

› दूसरा कदम: सभी बाहरी देनदारियों और प्रावधानों को वसूली खाते के क्रेडिट में हस्तांतरित करें।

जर्नल: विविध लेनदार खाता Dr. 48,000 रु.

संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान खाता Dr. 500 रु.

वसूली खाते से 48,500 रु.

› तीसरा कदम: संचय निधि (Reserve Fund) को साझेदारों के पूंजी खातों में उनके लाभ-हानि अनुपात (3:2) में बांटें।

जर्नल: संचय निधि खाता Dr. 13,500 रु.

सुप्रिया के पूंजी खाते से 8,100 रु.

मोनिका के पूंजी खाते से 5,400 रु.

› चौथा कदम: संपत्तियों की वसूली दर्ज करें।

देनदारों से वसूली: 22,000 का 5% छूट = 1100 रु.। वसूली = 22,000 - 1100 = 20,900 रु.
स्टॉक से वसूली: 7,000 रु.
स्थायी परिसंपत्तियों से वसूली: 42,000 रु.
कुल वसूली = 20,900 + 7,000 + 42,000 = 69,900 रु.
जर्नल: बैंक खाता Dr. 69,900 रु.
वसूली खाते से 69,900 रु.
› पांचवां कदम: देनदारियों और वसूली व्यय का भुगतान दर्ज करें।
लेनदारों को पूर्ण भुगतान 48,000 रु.
वसूली व्यय 1,500 रु.
कुल भुगतान = 48,000 + 1,500 = 49,500 रु.
जर्नल: वसूली खाता Dr. 49,500 रु.
बैंक खाते से 49,500 रु.
› छठा कदम: वसूली खाते का लाभ या हानि निकालें और साझेदारों के पूंजी खातों में बांटें।
वसूली खाते का क्रेडिट योग (48,500 + 69,900) = 1,18,400 रु.
वसूली खाते का डेबिट योग (66,000 + 49,500) = 1,15,500 रु.
लाभ = 1,18,400 - 1,15,500 = 2,900 रु.
सुप्रिया का हिस्सा = 2,900 * (3/5) = 1,740 रु.
मोनिका का हिस्सा = 2,900 * (2/5) = 1,160 रु.
जर्नल: वसूली खाता Dr. 2,900 रु.
सुप्रिया के पूंजी खाते से 1,740 रु.
मोनिका के पूंजी खाते से 1,160 रु.
› सातवां कदम: साझेदारों के पूंजी खाते बंद करें और अंतिम भुगतान करें।
सुप्रिया का पूंजी खाता: प्रारंभिक जमा 32,500 + संचय निधि 8,100 + वसूली लाभ 1,740 = 42,340 रु.। भुगतान = 42,340 रु.
मोनिका का पूंजी खाता: प्रारंभिक जमा 11,500 + संचय निधि 5,400 + वसूली लाभ 1,160 = 18,060 रु.। भुगतान = 18,060 रु.
कुल भुगतान = 42,340 + 18,060 = 60,400 रु.
जर्नल: सुप्रिया का पूंजी खाता Dr. 42,340 रु.
मोनिका का पूंजी खाता Dr. 18,060 रु.
बैंक खाते से 60,400 रु.
› आठवां कदम: बैंक खाता बंद करें। बैंक का डेबिट और क्रेडिट दोनों योग बराबर होने चाहिए।
प्रारंभिक शेष 40,500 + परिसंपत्तियों से वसूली 69,900 = 1,10,400 रु. (डेबिट)
देनदारियों का भुगतान और वसूली व्यय 49,500 + साझेदारों को अंतिम भुगतान 60,400 = 1,09,900 रु. (क्रेडिट)
अरे रुको, यहाँ तो 500 रुपये का अंतर आ रहा है! यह कहां से आया? देखो, देनदारों के हस्तांतरण में मैंने सकल मूल्य 22,000 लिया था, लेकिन उदाहरण में 21,500 है और प्रावधान 500 अलग से क्रेडिट किया गया है। अगर हम उदाहरण के अनुसार चलते हैं तो देनदार 21,500 ही ट्रांसफर होते हैं, और प्रावधान 500 अलग से क्रेडिट। तो वसूली खाता फिर से चेक करते हैं।
उदाहरण में देनदार से वसूली 5% छूट पर 21,500 - (21,500 * 5/100) = 21,500 - 1075 = 20,425 रु.
कुल वसूली = 20,425 (देनदार) + 7,000 (स्टॉक) + 42,000 (स्थायी परिसंपत्तियां) = 69,425 रु.
अब कुल वसूली 69,425 रु. हुई।
वसूली खाते का क्रेडिट योग (48,000 (लेनदार) + 500 (प्रावधान) + 69,425 (वसूली)) = 1,17,925 रु.
वसूली खाते का डेबिट योग (7,500 (स्टॉक) + 21,500 (देनदार) + 36,500 (स्थायी परिसंपत्तियां) + 49,500 (भुगतान)) = 1,15,000 रु.
लाभ = 1,17,925 - 1,15,000 = 2,925 रु.

सुप्रिया का हिस्सा = 2,925 * (3/5) = 1,755 रु.
मोनिका का हिस्सा = 2,925 * (2/5) = 1,170 रु.
अब पूंजी खाते:
सुप्रिया: 32,500 + 8,100 + 1,755 = 42,355 रु. भुगतान
मोनिका: 11,500 + 5,400 + 1,170 = 18,070 रु. भुगतान
कुल भुगतान = 42,355 + 18,070 = 60,425 रु.
अब बैंक खाता:
प्रारंभिक शेष 40,500 + परिसंपत्तियों से वसूली 69,425 = 1,09,925 रु. (डेबिट)
देनदारियों का भुगतान और वसूली व्यय 49,500 + साझेदारों को अंतिम भुगतान 60,425 = 1,09,925 रु. (क्रेडिट)
हाँ! अब बैंक खाता मिल गया। देखा बच्चों, छोटी सी गलती पूरे सवाल को गलत कर सकती है।

› सभी खाते बंद हो गए।

उत्तर – जर्नल प्रविष्टियां: (ऊपर के स्टेप्स में दी गई हैं)
वसूली खाते का लाभ: 2,925 रु.
सुप्रिया को अंतिम भुगतान: 42,355 रु.
मोनिका को अंतिम भुगतान: 18,070 रु.
बैंक खाते का अंतिम शेष: 0 रु. (दोनों पक्ष 1,09,925 रु. पर मिलेंगे)

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर सीधे प्रश्न पूछे जाते हैं या फिर केस स्टडी के रूप में सवाल आते हैं। सभी विधियों के उदाहरणों को अच्छे से याद कर लें।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर सीधे क्रम से जुड़े प्रश्न या छोटे केस स्टडीज़ आते हैं। नियम 48 के दोनों क्रम को ध्यान से याद रखें।

• यह नियम बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर आधारित छोटे केस स्टडी प्रश्न या सीधे नियम पूछ लिए जाते हैं। इसे अच्छे से समझकर जाना।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर जर्नल प्रविष्टियों (Journal Entries) के रूप में पूछी जाती है। गैर-अभिलिखित परिसंपत्तियों की वसूली और संचित लाभों के वितरण पर विशेष ध्यान दें।

• बोर्ड परीक्षा में, विघटन के पूर्ण प्रश्न में सभी जर्नल प्रविष्टियों और खातों का सही क्रम और मिलान बहुत महत्वपूर्ण है। बैंक खाते का अंतिम शेष हमेशा शून्य आना चाहिए, यह आपके उत्तर की पुष्टि करता है।

एक नज़र में रिवीज़न

› फर्म का विघटन: समझौते, अनिवार्य, अनिश्चितता, सूचना, न्यायालय द्वारा।

› हानियों का वहन: लाभ पूँजी व्यक्तिगत। परिसंपत्तियों का उपयोग: बाहरी ऋण साझेदार ऋण पूँजी शेष लाभ-अनुपात।

› फर्म की संपत्ति फर्म का ऋण; साझेदार की संपत्ति निजी ऋण (धारा 49)

› गैर-अभिलिखित वस्तुएँ, संचित लाभ/हानि, साझेदार ऋण - वसूली खाते से निपटारा।

› संपूर्ण विघटन प्रक्रिया में वसूली, पूंजी, बैंक खाते तैयार करना।